अशोक (Ashoka)

तक्षशिला
उत्तरापथ
कालसी
कुरुक्षेत्र
सिन्धु
हस्तिनापुर
श्रावस्ती
लुम्बिनी
लौरिया
वैशाली
मथुरा
विराटनगर
सौवीर
कपिलवस्तु
कोशल
कौशाम्बी
कुशीनगर
नालंदा
कामरूप
पाटलिपुत्र
प्राग्ज्योतिषपुर
प्रयाग
राजगृह
चंपानगरी
सारनाथ
अवंती
सौराष्ट्र
बोधगया
मगध
विदिशा
पुण्ड्र
उज्जयिनी
सांची
वंग
गिरिनगर
ताम्रलिप्ति
प्रतिष्ठान
शूर्पारक
तोसली
समापा
कलिंग
दक्षिणापथ
मस्की
दंतपुर
अमरावती
कोपबल
सुवर्णगिरि
सिद्धपुर
कांचीपुरम

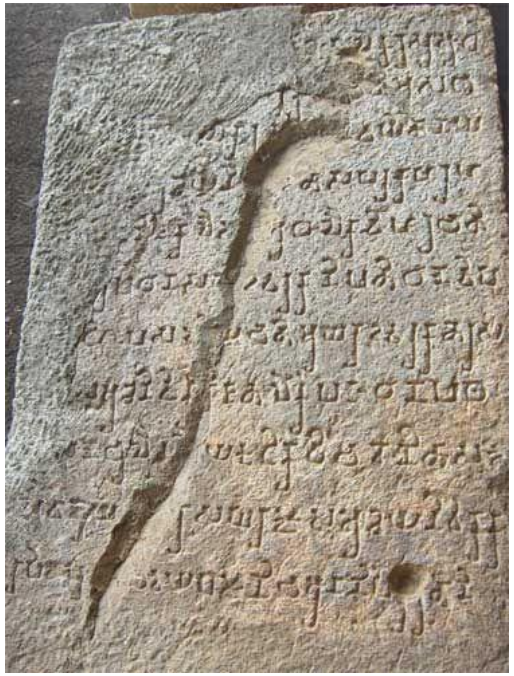

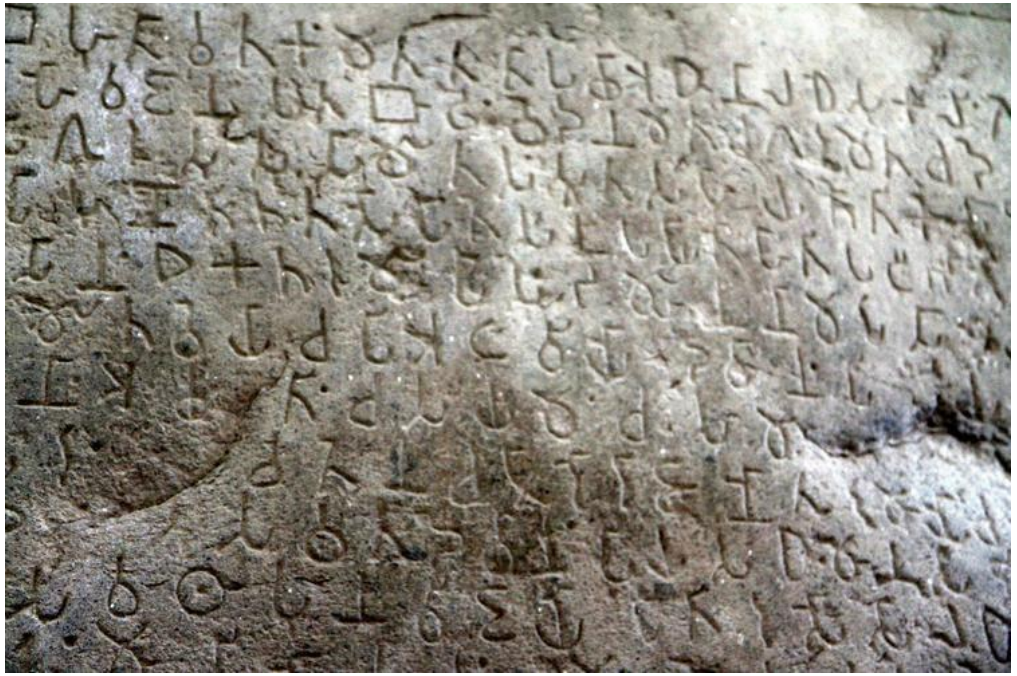

व्यतिगत परिचय Personal Introduction

- समय-273 से 232 ई० पू० Time-273 to 232 BC
- माँ- सुभद्रांगी (दिव्यावदान में उल्लेख) Mother- Subhadrangi (mentioned in Divyavadan)
- दक्षिणी श्रोतो के अनुसार 'धर्मा' 'Religion' according to southern sources
- पत्नी देवी (विदिशा के व्यापारी की पुत्री) Wife Devi (daughter of a businessman from Vidisha)

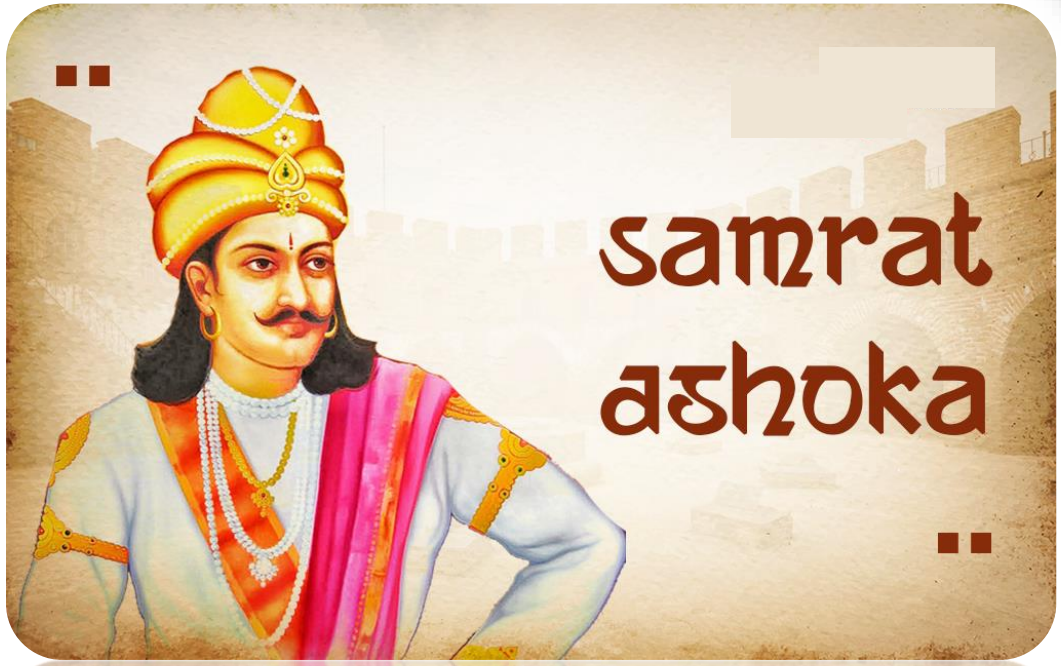

- महारानी देवी या सिर्फ देवी सम्राट अशोक की पहली पत्नी थीं और वे तीन बच्चों उन्नेंद्र, महेंद्र और संघमित्रा की मां थीं। Maharani Devi or simply Devi was the first wife of Emperor Ashoka and was the mother of three children, Unnendra, Mahendra and Sanghamitra.
- महाबोधिवंश में अशोक की पत्नी का नाम 'वेदिश महादेवी' का उल्लेख मिलता है Ashoka's wife's name 'Vedish Mahadevi' is mentioned in Mahabodhivansh.
- दिव्यावदान से हमें अशोक की एक अन्य पत्नी "तिष्यरक्षिता' के नाम उल्लेख। From Divyavadan we find mention of the name of another wife of Ashoka, 'Tishyarakshita'.

- जब की शिलालेख (इलाहाबाद अभिलेख या रानी का अभिलेख,) में उल्लिखित अशोक की एकमात्र रानी- कारूवाकि के नाम का ही उल्लेख मिलता है।
  Whereas in the inscription (Allahabad inscription or Queen's inscription), only the name of Ashoka's only queen - Karuvaki is mentioned.
- इलाहाबाद अभिलेख या रानी का अभिलेख :– उसमे समुद्रगुप्त की 'प्रयाग प्रशस्ति' तथा मुगल सम्राट जहांगीर का लेख भी उत्कीर्ण है Allahabad Inscription or Queen's Inscription: – Samudra Gupta's 'Prayag Prashasti' and Mughal Emperor Jahangir's inscription are also engraved in it.

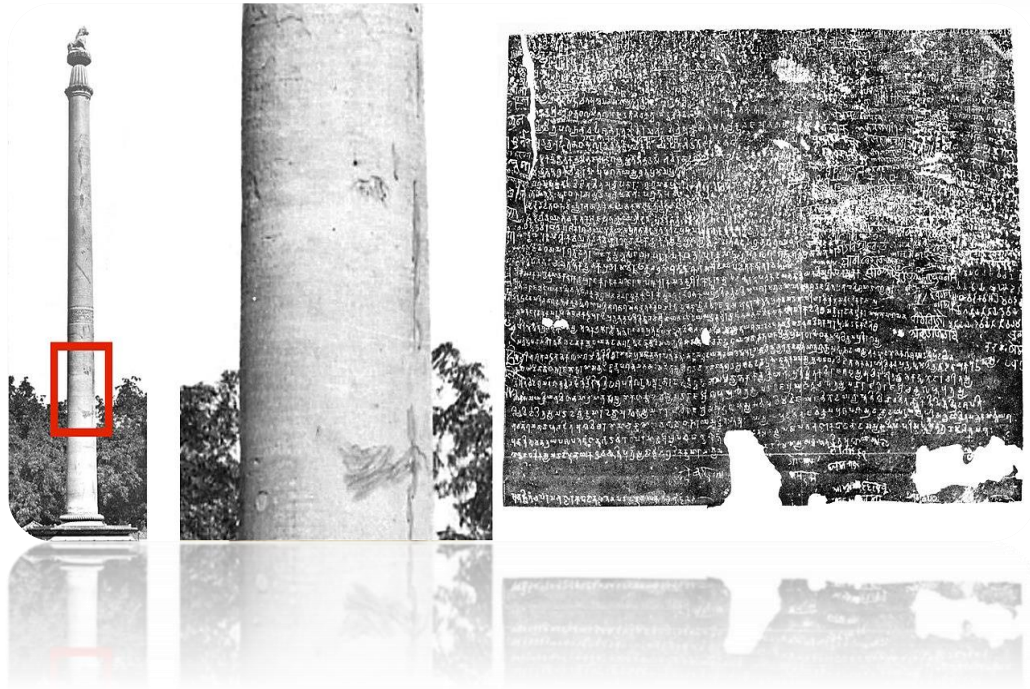

- एक मान्यता के अनुसार (दक्षिणी बौद्ध परम्पराओं) According to one belief (Southern Buddhist traditions)
- "अशोक ने अपने 99% भाइयों की हत्या कर राजसिंहासन तक पहुंचा था। "Ashoka ascended the throne by killing 99% of his brothers.
- जबकि (उत्तरी बौद्ध परम्पराओं) एक अन्य मान्यता के अनुसार उत्तराधिकार का युद्ध केवल अशोक तथा उसके अग्रज सुसीम के बीच हुआ। Whereas according to another belief (Northern Buddhist traditions), the war of succession took place only between Ashoka and his elder Susim.

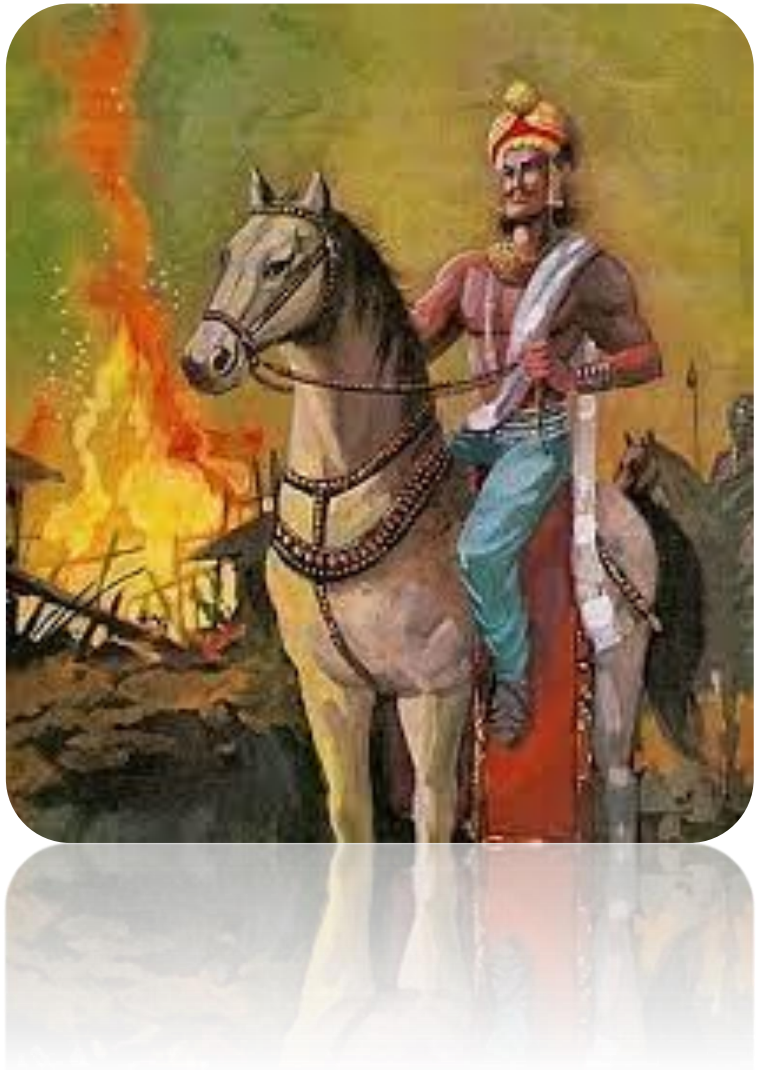

Result Mitra

- अशोक ने अपने पाँचवें अभिलेख में जीवित भाइयों के परिवारों का उल्लेख है। जिससे पता चलता है की अशोक के शासन के अठराहबे वर्ष में उसके कई भाई तथा बहन जीवित थे। Ashoka mentions the families of the surviving brothers in his fifth inscription. This shows that many of Ashoka's brothers and sisters were alive in the eighteenth year of his rule.

Result Mitra

अशोक का राज्याभिषेक Coronation of Ashoka :-

- राज्याभिषेक 269 ई० पू० Coronation 269 BC
- शासन प्राप्त करने से पहले अशोक उज्जैन (अवन्ति) एवं तक्षशिला का प्रांतीय शासक (राज्यपाल) था। Before attaining rule, Ashoka was the provincial ruler (governor) of Ujjain (Avanti) and Takshashila.
- उपाधि:- 'चण्ड अशोक', 'देवानांपिय' (देवताओं का प्रिय) तथा 'पियदसि' (प्रियदर्शी) । Titles:- 'Chanda Ashoka', 'Devanampiya' (beloved of the gods) and 'Piyadasi' (Priyadarshi).

अशोक के कार्यकाल की विशेषताएं Features of Ashoka's tenure:-

- प्रथम भारतीय शासक जिसने अपने शासन से संबंधित आदेशों को शिलाओं पर खुदवाया| The first Indian ruler who got orders related to his rule engraved on rocks.
- शिलालेख :– पत्थर पर लिखा या खोदा हुआ कोई प्राचीन लेख। पुराने लेख जो पत्थरों पर लिखे हुए पाए जाते हैं और जिनमें किसी प्रकार का अनुशासन या दान आदि उल्लिखित होता है। Inscription: – Any ancient inscription written or engraved on stone. Old articles which are found written on stones and in which some kind of discipline or charity etc. is mentioned.

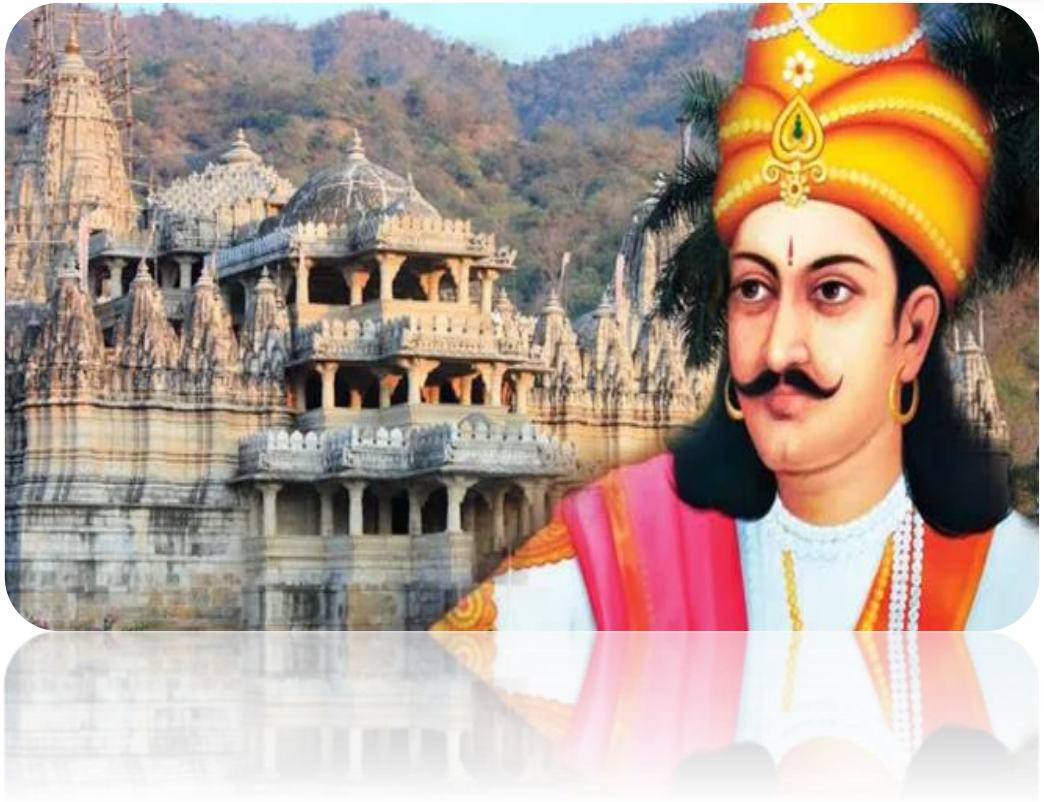

अभिलेख record

- अभिलेख पत्थर अथवा धातु जैसी अपेक्षाकृत कठोर सतहों पर उत्कीर्ण किये गये पाठन सामाग्री को कहते हैं। प्राचीन काल से इसका उपयोग हो रहा है। शासक इसके द्वारा अपने आदेशो को इस तरह उत्कीर्ण करवाते थे, ताकि लोग उन्हे देख सके एवं पढ़ सके और पालन कर सके। आधुनिक युग में भी इसका उपयोग हो रहा है।

  Inscriptions are reading materials engraved on relatively hard surfaces like stone or metal. It is being used since ancient times. Through this, rulers used to get their orders engraved in such a way that people could see, read and follow them. It is being used even in the modern era.

स्तंभ लेख column article

- किसी भी संपादकीय पृष्ठ पर जो बड़ा लेख या खोजपूर्ण लेख होता है। वही श्रेष्ठ लेख और महत्वपूर्ण लेख होता है। उसी को स्तम्भ लेख कहा जाता है। Any big article or investigative article on any editorial page. That is the best article and important article. That is called a column article.
- अशोक के नाम मात्र लघु शिलालेख प्रथम की प्रतिकृतियों में मिल Only small inscriptions in the name of Ashoka are found in replicas of the first.

- गुर्जारा (जिला दतिया, मध्य प्रदेश) तथा कर्नाटक स्थित मास्की,नेट्टर एवं उदयगोलम (उडेगोलम) से प्राप्त लेखों से हमे अशोक के नाम की प्राप्ति होती है। बाकी लेखों में प्रियदर्शी/देवानंपीय नाम का उल्लेख। We get the name of Ashoka from the inscriptions obtained from Gurjara (District Datia, Madhya Pradesh) and Maski, Nettar and Udayagolam (Udegolam) in Karnataka. Mention of the name Priyadarshi/Devanampiya in the remaining articles.
- अशेक के शिलालेख वा प्रथम भार पता पादरी टिफेनथेलर ने 1750 ई0 के लगभग लगाया। Ashek's inscription or first weight was discovered by Pastor Tiefenthaler around 1750 AD.

कलिंग युद्ध (Kalinga War)

- समय - 261 ई० पू० (अशोक के राज्याभिषेक के आठवें वर्ष) (इस युद्ध का वर्णन अशोक के 13वें वृहत शिलालेख में हुआ है।) Time - 261 BC (eighth year of Ashoka's coronation) (This war is described in the 13th great inscription of Ashoka.)
- तेरहवें शिलालेख के अनुसार युद्ध में डेढ़ लाख लोग बंदी बनाये गये, एक लाख लोगों की हत्या की गई तथा कालान्तर में इससे भी कई गुना मर गये। According to the thirteenth inscription, one and a half lakh people were taken captive in the war, one lakh people were killed and many times more died in the course of time.

इस युद्ध कारण के संभावित कारण Possible reasons for this war

1. अशोक की साम्राज्य विस्तार की नीति Ashoka's policy of empire expansion
2. कलिंग की व्यापारिक महत्ता अधिक थी। अर्थशास्त्र के अनुसार कलिंग सूती वस्त्रों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध था। The commercial importance of Kalinga was high. According to Arthashastra, Kalinga was famous for the manufacturing of cotton clothes.
3. कलिंग की महत्वपूर्ण अवस्थित :– यह बंगाल, श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया के द्वीप समूहों के मध्य में स्थित था । Important location of Kalinga: – It was situated in the middle of Bengal, Sri Lanka and the island groups of South East Asia.

4. समुद्री डाकुओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए। To establish effective control over pirates.
5. कलिंग से हाथी प्राप्त करने के लिए (अर्थशास्त्र में हाथियों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख :– कि राजा की विजय हाथियों पर जितनी निर्भर है उतनी किसी पर नहीं और कलिंग अपने उत्तम हाथियों के लिए प्रसिद्ध था।) To get elephants from Kalinga (Mention of the important role of elephants in Arthashastra: – That the king's victory depends more on elephants than anything else and Kalinga was famous for its excellent elephants.)
6. दक्षिण के साथ सीधे सम्पर्क स्थापित करने के लिए To establish direct contact with the South

युद्ध के परिणाम Results of the war: –

- कलिंग की स्वतंत्रता खत्म और इसे मौर्य साम्राज्य का प्रांत बना लिया गया। Kalinga's independence ended and it was made a province of the Maurya Empire.
- कलिंग में प्रशासन की सुविधा के अनुसार इसको दो अधीनस्थ प्रशासनिक केन्द्र यथा: उत्तरीकेन्द्र तोसलि (धौली) और दक्षिणीकेन्द्र जौगढ़ राजधानी में विभाजित किया गया। According to the convenience of administration in Kalinga, it was divided into two subordinate administrative centers namely northern center Tosali (Dhauli) and southern center Jaugarh capital.
- लाभ-मौर्य साम्राज्य की बंगाल की खाड़ी तक पहुंच।' Benefit-Maurya Empire's access to the Bay of Bengal.

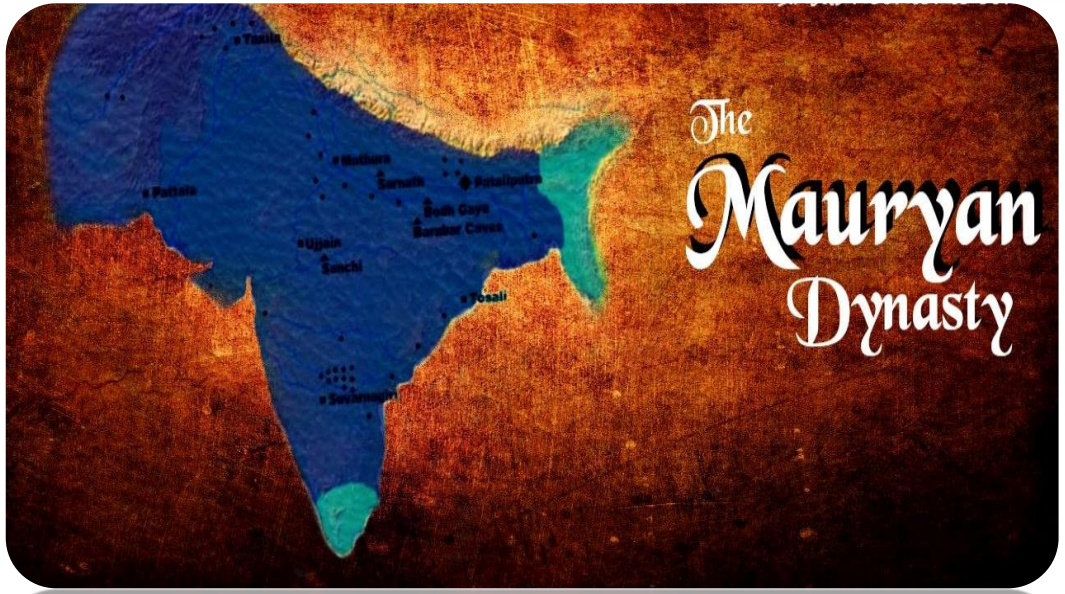

Result Mitra

इतिहासकारों के मत opinions of historians

- डा0 हेमचन्द्र राय चौधरी -'मगध सम्राट बनने के पश्चात् कलिंग युद्ध अशोक का प्रथम तथा अन्तिम युद्ध था।' Dr. Hemchandra Rai Chaudhary -'The Kalinga war was the first and last war of Ashoka after becoming the Magadha emperor.'

बौद्ध धर्म और अशोक Buddhism and Ashoka

- इनमे अशोक की धम्म नीति का उल्लेख है। Ashoka's Dhamma policy is mentioned in these.
- अशोक के शिलालेखो से हमे उसके बौद्ध धर्म स्वीकार करने पता लगता है। From the inscriptions of Ashoka we come to know about his acceptance of Buddhism.

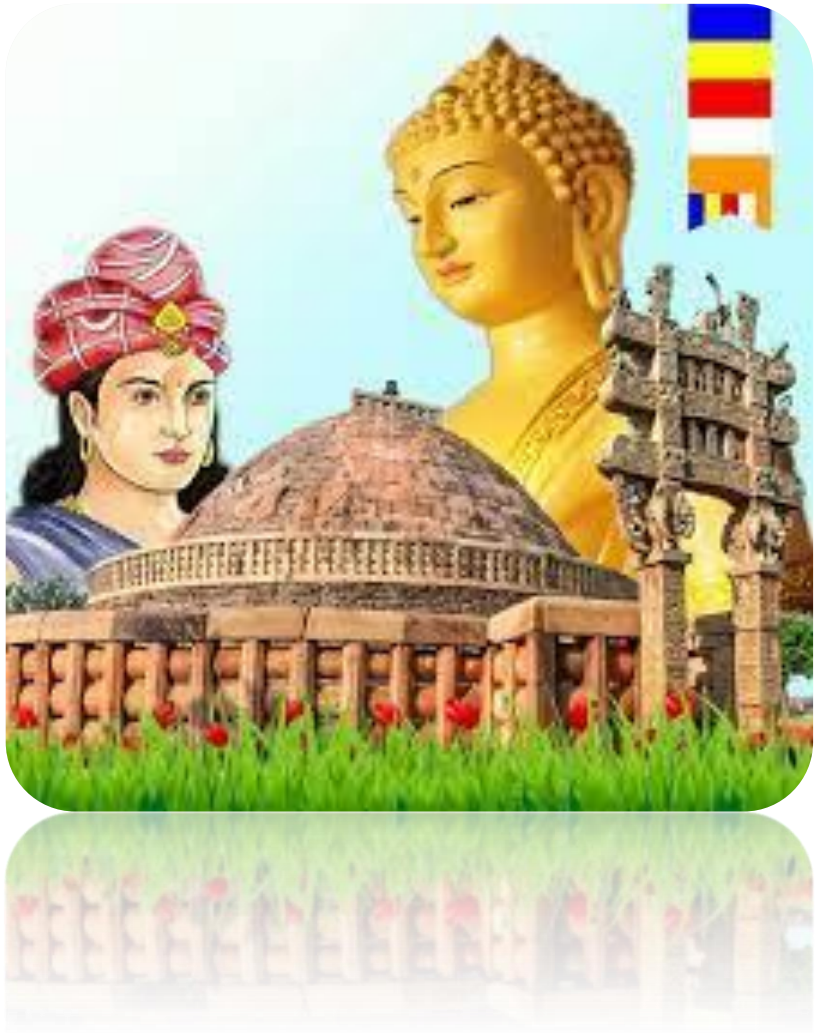

Result Mitra

- कुछ शिलालेखों से संकेत मिलते हैं कि वह बौद्ध धर्म का कर्तव्यनिष्ठ अनुयायी था और बौद्ध धर्म में किसी भी प्रकार से कोई अनुशासनहीनता के पक्ष में नहीं था । Some inscriptions indicate that he was a conscientious follower of Buddhism and was not in favor of any indiscipline in Buddhism.
- अशोक ने एक शिलालेख में आदेश दिया है कि संघ में किसी भी प्रकार के विरोध को सहन नहीं किया जायेगा और उसे संघ की व्यवस्था से निष्कासित कर दिया जायेगा। Ashoka has ordered in an inscription that any kind of opposition will not be tolerated in the Sangha and it will be expelled from the Sangha system.

- अशोक ने मोगालिपुत्त तिस्सा की अध्यक्षता में 250 ई.पू. में पाटलीपुत्र में तीसरे बौद्ध परिषद की बैठक बुलाई थी, लेकिन सातवे स्तम्भ में इस परिषद का कोई जिक्र उपल्ब्ध नहीं है। Ashoka ruled under the leadership of Mogaliputta Tissa in 250 BC. A meeting of the Third Buddhist Council was convened in Pataliputra in 1775, but there is no mention of this council in the seventh stanza.
- अशोक ने बौद्ध दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए भारत, श्रीलंका, बर्मा और अन्य देशों में मिशनरियाँ को भेजा। Ashoka sent missionaries to India, Sri Lanka, Burma and other countries to spread Buddhist philosophy.

राज्य	धर्म प्रचारक
कश्मीर तथा गान्धार	मज्झान्तिक
महिषमण्डल (मैसूर अथवा मान्धाता)	महादेव
हिमालय क्षेत्र	मज्झिम
अपरान्तक (बाम्बे समुद्र तट का उत्तरी भाग)	योन धम्म रकहीता
महाराष्ट्र	महाधम्म रक्खिता
सूवर्ण भूमि	सोना तथा उत्तरा
वाराणसी (उत्तर कनारा)	करहीता (रक्षित)
यवन देश	महारक्षित
श्रीलंका	महेन्द्र और संघमित्रा

- अशोक का धम्म (प्राकृत में धम्म / और संस्कृत में धर्म) Dhamma of Ashoka (Dhamma in Prakrit/ and Dharma in Sanskrit)
- अब अशोक चंड अशोक के स्थान पर धर्मा अशोक नाम से जाना जाएगा l Now Ashok will be known as Dharma Ashok instead of Chand Ashok.

- 'दीपवंश' तथा 'महावंश' में उल्लेख है की अशोक के भतीजे निग्रोध ने उसे बौद्ध मत की दीक्षा प्रदान की। It is mentioned in 'Deepavansh' and 'Mahavansh' that Ashoka's nephew Nigrodha initiated him into Buddhism.
- तो वही "दिव्यावदान' तथा ह्वेनसांग के अनुसार- आचार्य उपगुप्त (मोग्गलिपुत तिस्स) ने अशोक को बौद्ध मत की दीक्षा प्रदान की। So according to the same 'Divyavadana' and Hiuen Tsang - Acharya Upagupta (Moggaliput Tissa) initiated Ashoka into Buddhism.

Result Mitra

- अशोक के द्वारा धम्म से संबंधित जो निर्देश किया हैं उनका उल्लेख दीघनिकाय के 'सिगालोवादसुत' में निहित हैं। The instructions given by Ashoka regarding Dhamma are mentioned in 'Sigalovadasut' of Dighanikaya.
- अशोक के द्वारा 'बौद्ध त्रिरत्नों' (बुद्ध, धम्म तथा संघ) में आस्था व्यक्त करने का उल्लेख भाब्रू शिलालेख से मिलता हैं। Ashoka's expression of faith in the 'Buddhist Three Jewels' (Buddha, Dhamma and Sangha) is mentioned in the Bhabru inscription.

Result Mitra

- शासन संभालने के बीसवें वर्ष अशोक ने 'लुम्बिनी' की यात्रा की। यहाँ अशोक ने पत्थर की सुदृढ़ दीवार बनवाकर 'शिलास्तम्भ' खड़ा किया In the twentieth year of assuming the rule, Ashoka traveled to 'Lumbini'. Here Ashoka built a strong stone wall and erected a 'stone pillar'
- अशोक अपने राज्याभिषेक के बारहवें वर्ष निग्लीवा (नेपाल की तराई) में स्थित पौराणिक बुद्ध कनक मुनि के स्तूप के आकार का विस्तार करके दुगुना कराया। In the twelfth year of his coronation, Ashoka expanded and doubled the size of the stupa of the legendary Buddha Kanak Muni located in Nigliwa (Terai of Nepal).

Result Mitra

- ‘लुम्बिनी’ बुद्ध की जन्मभूमि होने के कारण लुम्बिनी को कर मुक्त घोषित किया तथा भू-राजस्व 1/6 घटाकर 1/8 कर दिया। (रूमिन्देई लघु स्तम्भ लेख में उल्लेख) Lumbini being the birthplace of Buddha, Lumbini was declared tax free and land revenue was reduced from 1/6 to 1/8. (Mentioned in Rumindei short column article)
- अशोक के द्वारा की गई तीर्थयात्राओं का क्रम- कुशीनगर, लुम्बिनी- कपिलवस्तु, सारनाथ श्रावस्ती। The sequence of pilgrimages undertaken by Ashoka – Kushinagar, Lumbini – Kapilvastu, Sarnath Shravasti.

Result Mitra

अशोक का प्रशासन Ashoka's administration

- अशोक के शासनकाल में राजधानी पाटलिपुत्र थी The capital during Ashoka's reign was Pataliputra.
- (चंद्रगुप्त मौर्य के समय से) (From the time of Chandragupta Maurya)
- जबकि कौशाम्बी, उज्जयनी, सुवर्णगिरी इसिला. तोसाली और समापा प्रान्तीय प्रशासन के केन्द्र थे। Whereas Kaushambi, Ujjayani, Suvarnagiri etc. Tosali and Samapa were the centers of provincial administration.

Result Mitra

- अशोक के स्तम्भ लेख पहले, चौथे और पांचवे मे राजुका नामक अधिकारी के नाम का उल्लेख मिलता है जिसकी ग्रामीण अधिकारी के रूप में पहचान की गई है। इन्हें गाँवों की शासन व्यवस्था, लोक कल्याण तथा खुशहाली बढाने का कार्य सौंपा गया होगा। (इसका उल्लेख अर्थशास्त्र और इंडिया से प्राप्त) In the first, fourth and fifth Pillar Edicts of Ashoka, the name of an officer named Rajuka is mentioned, who has been identified as a rural officer. They would have been entrusted with the task of improving village governance, public welfare and prosperity. (This mention was taken from Arthashastra and India)

Result Mitra

- स्तम्भ लेख IV (4) से हमें जानकारी प्राप्त होती है कि राजुकाओं को निरन्तर राजा के सम्पर्क में रहना होता था और यह कार्य राजा के अनुचर (सीक्रेट एजेण्ट) सुनिश्चित करते थे। From Pillar Article IV (4) we get information that the Rajukas had to be in constant touch with the king and this work was ensured by the king's retainers (secret agents).
- हमे लेखों से एक और महत्वपूर्ण पद "महामातृ की प्राप्ति होती है। अशोक के राज्यारोहण के तेरह वर्ष बाद ये पद सृजित किये गये थे। From the inscriptions we find another important term “Maha Matra”. This term was created thirteen years after Ashoka's accession to the throne.

- **कार्य :– धम्म का प्रसार करना और साथ ही धम्म के प्रति समर्पित लोगों की खुशहाली को बढ़ावा देना। (पाचवे शिलालेख मे उल्लेख है)**
  Function: – To spread the Dhamma as well as promote the well-being of people dedicated to the Dhamma. (Mentioned in the fifth inscription)
- **अन्य कर्तव्य :– अनुचरों और स्वामियों, ब्राह्मणों और वैश्यों तथा अनाथों और वृद्धों को मुसीबत के दौरान मदद पहुँचायें।** Function: – To spread the Dhamma as well as promote the well-being of people dedicated to the Dhamma. (Mentioned in the fifth inscription)

Result Mitra

- महामातृ की एक और श्रेणी होती जिनको। "नगर व्यवहारक" कहा जाता। इन्हें बड़े नगरों में नियुक्त किया जाता था। जिस प्रकार राजुका ग्रामीण क्षेत्रों का दायित्व सम्भालते थे, उसी प्रकार ये भी शहरी क्षेत्रो में न्याय प्रदान करने का कार्य करते थे। There was another category of Mahamatras, whom. Called "city businessman". They were appointed in big cities. Just as Rajukas looked after the responsibilities of rural areas, similarly they also worked to provide justice in urban areas.

- इसी प्रकार अम्त महामातृ भी थे, जिन्हें सीमान्त क्षेत्रों का प्रभारी बनाया जाता था। इन्हें सीमावर्ती क्षेत्रों की जनजातियों में धम्म के प्रचार-प्रसार का दायित्व सौंपा गया था। हालाकि इन सीमान्त जनजातियों पर अशोक का पूर्ण नियंत्रण नहीं था, लेकिन इनके साथ भी उसने दयालुता की नीति अपनाई थी। Similarly, there were Amt Mahamatras, who were made in-charge of the border areas. He was entrusted with the responsibility of propagating Dhamma among the tribes of the border areas. Although Ashoka did not have complete control over these frontier tribes, he adopted a policy of kindness towards them also.

- कुछ अन्य प्रकार के अधिकारी भी थे, जिन्हें "युक्त" कहा जाता था ये लेखा विभाग का कार्य देखते थे। ये कर्मी महामातृ के अधीन कार्य करते थे। महामातृ युक्तों द्वारा रखे गये व्यय और राजस्व के हिसाब-किताब की जाँच करते थे। There were also some other types of officers, who were called “Yukts” who looked after the work of the accounts department. These workers worked under Mahamatra. Mahamatri used to check the accounts of expenditure and revenue maintained by the yuktas.
- स्तम्भलेख V में कैदियों को मानवीय आधार पर सजावधि से पहले रिहा करने का उल्लेख है। Column V mentions the release of prisoners before their sentence on humanitarian grounds.

Result Mitra

- शिलालेख II से हमे पता चलता है उसने मनुष्यों और पशुओं दोनों के लिए अस्पताल बनवाए। From inscription II we come to know that he built hospitals for both humans and animals.
- उसने औषधीय वनस्पतियों में अनुसंधान के लिए वनस्पति उद्यानों को प्रोत्साहन दिया। He encouraged botanical gardens for research into medicinal plants.

Result Mitra

- अशोक ने यात्रियों और पशुओं के लिए सड़क के किनारे वृक्ष लगाने (पीपल और आम जैसे छायादार वृक्षों का रोपण) और कुँए खोदने (प्रत्येक सड़कों के किनारे आधा किलोमीटर की दूरी पर कुँओं की खुदाई) के आदेश भी दिये। और उसने यात्रियों के लिए विश्रामगृहों का निर्माण और मनुष्यों और पशुओं के लिए पानी हेतु जगह-जगह प्याऊ की व्यवस्था शामिल हैं।

  Ashoka also ordered the planting of roadside trees (planting of shade trees like Peepal and Mango) and digging of wells (digging of wells at a distance of half a kilometer along each road) for travelers and animals. And it included construction of rest houses for travelers and arrangement of water ponds at various places for humans and animals.

Result Mitra

अशोक के प्रमुख शिलालेख एवं उनके स्थान

Result Mitra

शिलालेख	संबंधित राज्य
शाहवाजगढ़ी	पेशावर (पाक)
मनसेहरा	हजारा (पाक)
रूपनाथ	मध्य प्रदेश
कालसी	उत्तराखंड
गिरनार	गुजरात
धौली और जूनागढ़	ओडिशा (कलिंग)
एर्रमुडि, राजुल, मंडगिरी	आंध्र प्रदेश
सोपारा	महाराष्ट्र
भब्रु (वैराट)	राजस्थान
मास्की, ब्रह्मगिरी	कर्नाटक
अहरौरा	उत्तर प्रदेश

अशोक के शिलालेख एवं महत्वपूर्ण आदेश

Result Mitra

पहला	पशुबलि की निंदा
दूसरा	मनुष्य व पशु की चिकित्सा का प्रबंध
तीसरा	प्रत्येक पांच वर्ष बाद अधिकारियों को राज्य भ्रमण का आदेश
चौथा	धमाघोष की घोषणा
पाँचवा	धर्म महमंत्रों की नियुक्ति
छठा	आत्म-नियंत्रण
7 व 8	अशोक जब तीर्थ यात्राओं पर गया उसका उल्लेख
दसवां	राजा का कर्तव्य है कि प्रजा के बारे में सोचे
ग्यारहवाँ	धम्म की व्याख्या
बारहवाँ	स्त्री महामंत्रों की नियुक्ति का आदेश
तेरहवाँ	कलिंग युद्ध का उल्लेख
चौदहवाँ	जनता को धिर्मक जीवन बिताने का उपदेश

मौर्य साम्राज्य के महत्वपूर्ण अधिकारी

Result Mitra

मंत्री	प्रधानमंत्री (राजा के बाद सर्वोच्च अधिकारी)?
पुरोहित	दान-विभाग का मुखिया
सेनापति	सैन्य विभाग का मुखिया
अन्तर्वेदिक	अन्तः पुर का अध्यक्ष
समाहर्ता	आय का संग्रहकर्ता
प्रशास्ता	कारागार का प्रधान
पौर	प्रमुख न्यायाधीश
दण्डपाल	सेना का सामान एकत्रित करने वाला
दुर्गपाल	दुर्ग-रक्षक
अंतपाल	सीमा से लगे दुर्गों का रक्षक

अशोक की मृत्यु और उसके उत्तराधिकारी

Death of Ashoka and his successors

- अशोक के शासनकाल के दौरान मगध साम्राज्य भौगोलिक दृष्टि से अपनी चर्मोत्कर्ष पर पहुँच चुका था। During the reign of Ashoka, the Magadha Empire had reached its zenith geographically.
- मगध साम्राज्य ने यह स्थिति , युद्ध के द्वारा नहीं, बल्कि राज्य के अद्वितीय अहिसा के सिद्धान्त तथा सामाजिक अनुभव के बल पर हासिल किया था। The Magadha Empire achieved this status not through war, but on the strength of the state's unique principle of non-violence and social experience.

- कुछ विद्वान मानते हैं कि अशोक के शान्तिवाद ने मौर्य साम्राज्य की सैन्यशक्ति की कमर तोड़ दी थी, जिसके कारण अशोक की मृत्यु के पचास वर्ष के अन्दर ही मौर्य साम्राज्य का पतन हो गया। Some scholars believe that Ashoka's pacifism broke the back of the military power of the Maurya Empire, due to which the Maurya Empire collapsed within fifty years of Ashoka's death.

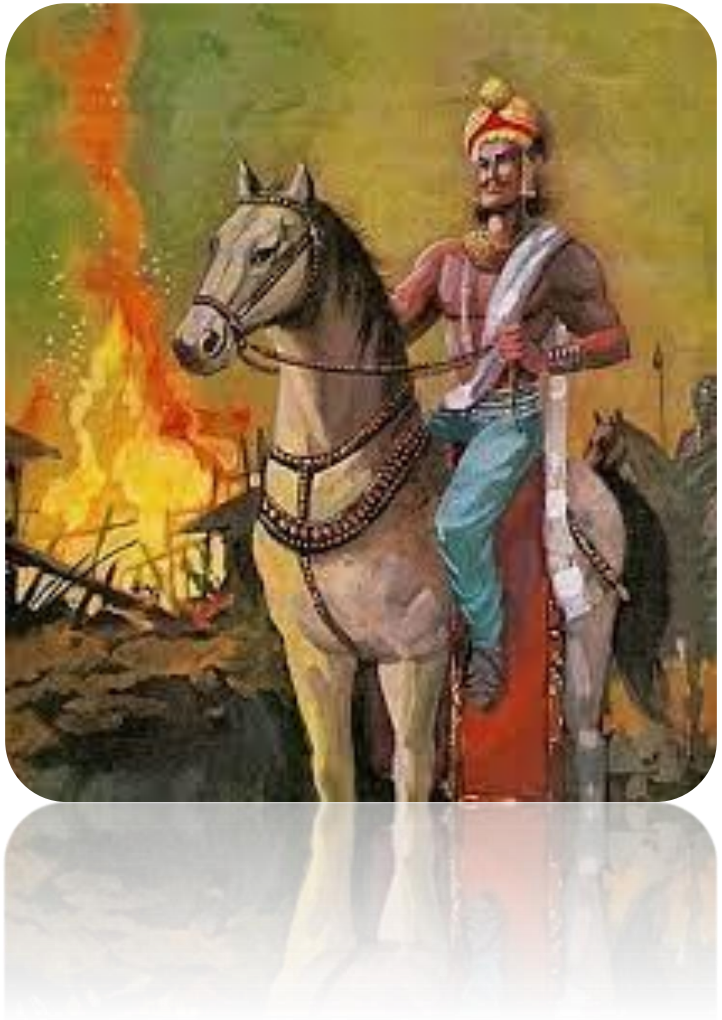

Result Mitra

- कुछ विद्वान आर्थिक परिणामो को और सैन्यशक्ति को पतन का कारण मानते हैं। उनका तर्क है कि विशाल सेना, जिसका उपयोग केवल परेड जैसे अवसरों पर किया जाता था, अनेक प्रशासनिक अधिकारी बौद्ध भिक्षुओं को अपव्ययी दान तथा जन कल्याण के विभिन्न कार्यों से राजकोष का बोझ बढ़ा। Some scholars consider economic consequences and military power as the reason for the decline. He argues that the huge army, which was used only on occasions like parades, numerous administrative officials, wasteful donations to Buddhist monks and various public welfare works increased the burden on the treasury.

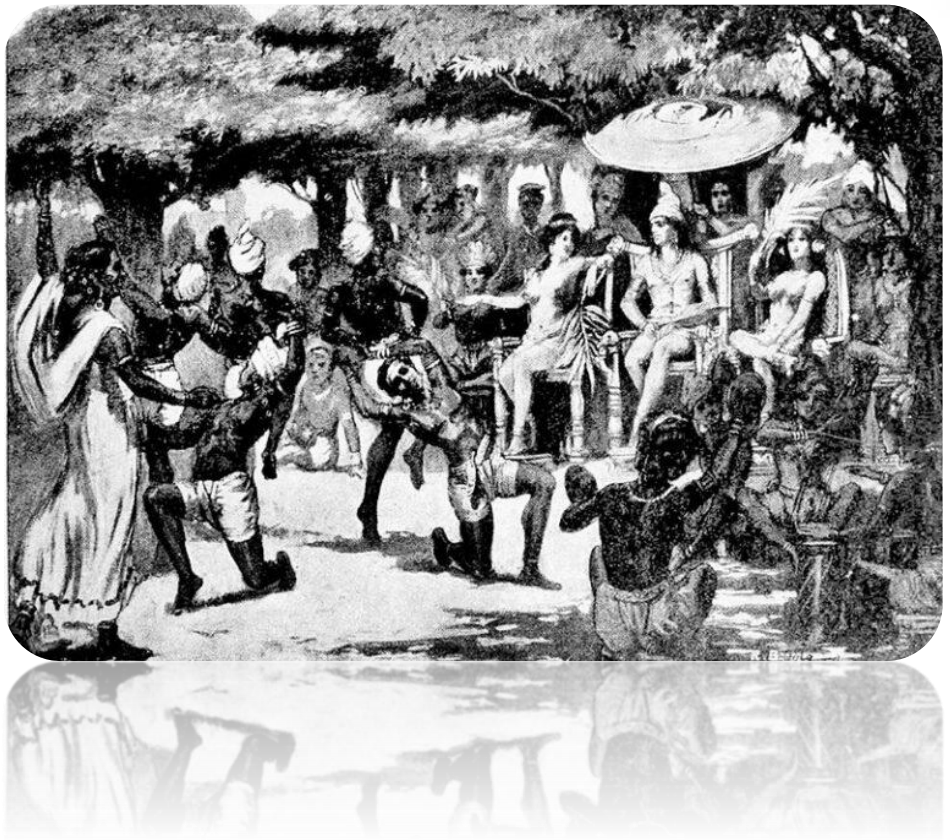

Result Mitra

- अशोक के शासन के अन्तिम वर्षो में शाही नियंत्रण कमजोर हो चला था। धम्म की नीति सामाजिक तनावों को नियंत्रित करने में पर्याप्त रूप से सफल नहीं रही थी। In the last years of Ashoka's rule, royal control had weakened. The policy of Dhamma was not sufficiently successful in controlling social tensions.
- सन् 232 ई.पू. मे अशोक की मृत्यु के बाद साम्राज्य का पतन आरम्भ हो गया और अन्ततः मौर्य साम्राज्य दो भागों में बँट गया। In 232 BC After the death of Ashoka, the empire began to decline and ultimately the Maurya Empire was divided into two parts.
- पश्चिमी भाग पर कुणाल और उसके बाद सम्प्रति का शासन रहा। The western part was ruled by Kunal and then Samprati.

- उत्तर-पश्चिम भाग में बैक्ट्रियन ग्रीको से तनाव का सामना करना पड़ा और सन् 180 ई.पू. में यह भू भाग इनके कब्जे में चला गया। दक्षिण में आन्ध्र अथवा सातवाहन समस्याएं खड़ी कर रहे थे। The north-west faced tension from the Bactrian Greco and in 180 BC. This land came under their control. In the south the Andhras or Satvahanas were creating problems.

- साम्राज्य के पूर्व में अशोक के उत्तराधिकारियों का शासन था। बृहदस्थ मौर्य शासकों की मुख्य धारा का अन्तिम शासक रहा , जिसके बारे में कहा जाता है कि उसकी सन् 180 ई.पू. के आस पास ब्राह्मण सेनापति पुष्यमित्र शुंग द्वारा हत्या कर दी गई थी, जिसने शुंग वंश की नींव रखी। The east of the empire was ruled by Ashoka's successors. Brihadhastha was the last ruler of the main stream of Maurya rulers, about whom it is said that he died in 180 BC. He was assassinated by the Brahmin commander Pushyamitra Shunga around 1500 BC, laying the foundation of the Shunga dynasty.

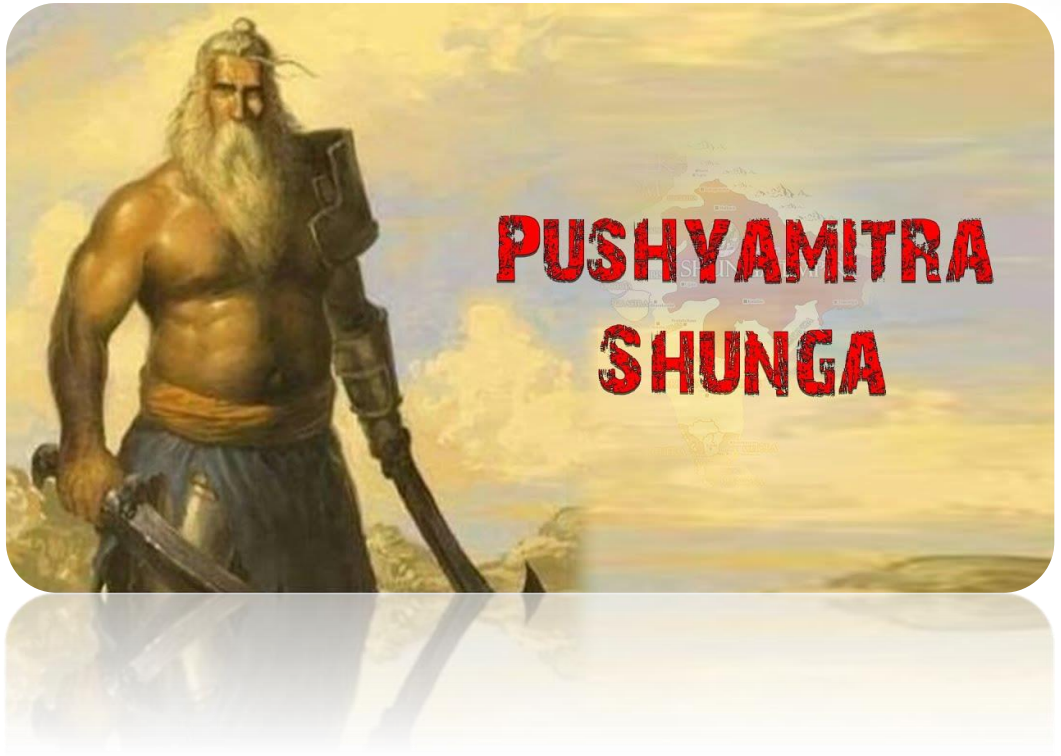

मौर्यों का प्रशासन Administration of the Mauryas

- साम्राज्य स्पष्ट रूप से तीन जोन में बँटा था, (क) महानगर (महाजनपद), (ख) केन्द्रीय भाग और (ग) सीमान्त क्षेत्र The empire was clearly divided into three zones, (a) the metropolis (Mahajanapada), (b) the central part and (c) the marginal area.
- मगध महानगर था क्योंकि यह सत्ता का केन्द्र था। Magadha was a metropolis because it was the center of power.

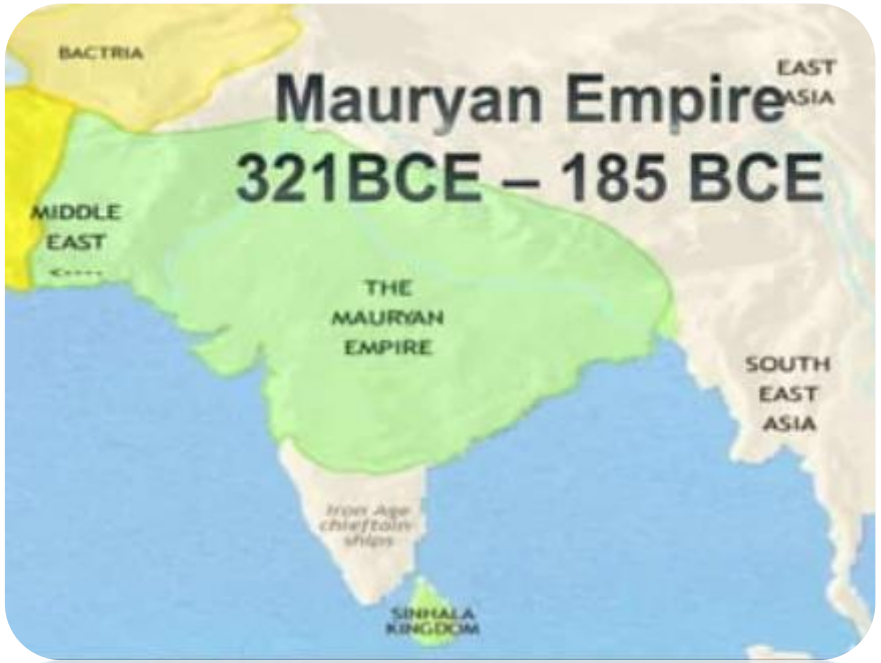

- केन्द्रीय प्रशासन को निम्नलिखित तीन वर्गों में बाँटा जा सकता है- (क) राजा, (ख) मंत्रिपरिषद, (ग) नगर प्रशासन, (घ) रोना, (ङ) गुप्तचर तंत्र (च) विधि और न्याय तथा (छ) लोक कल्याण।

  Central administration can be divided into the following three categories - (a) King, (b) Council of Ministers, (c) City Administration, (d) Rona, (e) Intelligence System (f) Law and Justice and (g) Public Welfare. .

राजा King

- अर्थशास्त्र में राजा को सर्वोच्च स्थान प्राप्त। The king got the highest position in economics.
- कौटिल्य के अनुसार, "राजा का कर्तव्य प्रजा की खुशहाली सुनिश्चित करना है, प्रजा की भलाई से ही राजा की भलाई होगी।" According to Kautilya, "The duty of the king is to ensure the well-being of the subjects; the well-being of the subjects will lead to the well-being of the king."
- अशोक ने इस आदर्श को और विस्तार दिया। उसने घोषणा की कि सभी लोग उसके बच्चे हैं। Ashoka further expanded this ideal. He declared that all people were his children.

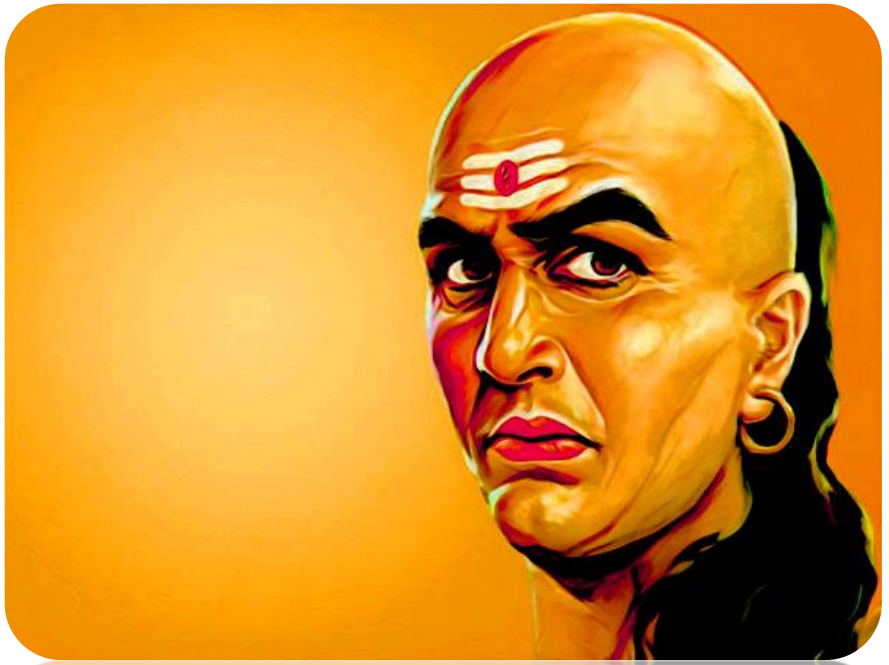

- सभी महत्वपूर्ण अधिकारी सीधे राजा द्वारा नियुक्त किए जाते थे और वो शासक के प्रति जवाब देय थे। All important officials were appointed directly by the king and were answerable to the ruler.

मंत्रिपरिषद Council of Ministers

नगर प्रशासन city administration

- मेगस्थनीज के वृतान्त में नगर प्रशासन का विवरण मिलता है। Details of city administration are found in the account of Megasthenes.

- नगर प्रशासन के लिए छः समितियाँ थी और प्रत्येक समिति में पाँच सदस्य थे, लेकिन अर्थशास्त्र में इन समितियों का जिक्र नहीं है। There were six committees for city administration and each committee had five members, but there is no mention of these committees in the Arthashastra.
- अर्थशास्त्र में उल्लेख है कि नगर प्रशासन का प्रमुख नागरिक होता था, जिसकी सहायता के लिए स्थानिक" और गोप" होते थे। It is mentioned in the Arthashastra that the head of the city administration was the citizen, who was assisted by the local people and Gopas.

सेना Army

- सेना का आकार विशाल था मेगस्थनीज के अनुसार सेना को छः समितियों में बाँटा गया था और प्रत्येक समिति में 5 सदस्य और कुल मिलाकर 30 सदस्य थे। The size of the army was huge. According to Megasthenes, the army was divided into six committees and each committee had 5 members and 30 members in total.

- प्लिनी के अनुसार मौर्य सेना में 6 लाख पैदल सैनिक, 30,000 घुड़सवार और 9,000 हाथी थे। According to Pliny, the Maurya army had 6 lakh infantrymen, 30,000 cavalry and 9,000 elephants.
- कौटिल्य ने 'चतुरंग बल" का हवाला दिया है। इसमें पैदल सेना (पदाति), घुडसवार सेना, रथ और हरित सेना जैसे सेना के अहम अंग शामिल हैं। Kautilya has referred to 'Chaturanga Bal'. It includes important parts of the army like infantry (padati), cavalry, chariots and green army.

Result Mitra

- मेगस्थनीज के वृत्तान्त में युद्ध पोतों के दस्ते का भी हवाला मिलता है। हो सकता है कि यह आधुनिक नौ सेना का प्रारम्भिक स्वरूप हो। There is also reference to a squadron of war ships in Megasthenes' account. It may be that this was the initial form of the modern navy.
- प्रतीत होता है कि अधिकारियों को नगद धनराशि दी जाती थी। It appears that officers were paid in cash.

- उदाहरण के लिए, सेनापति को 48,000 पण्य दिये जाते थे और नायक को 18,000 पण्य मिलते थे। मुखियाओं को 8,000 पण्य और अध्यक्ष को 4,000 पण्य दिये जाते थे। For example, a general was given 48,000 commodities and a hero received 18,000 commodities. Chiefs were given 8,000 commodities and the president was given 4,000 commodities.
- अस्त्र शस्त्र निर्माण और अनुरक्षण पर नजर रखने के लिए एक अलग विभाग था, जिसका प्रमुख आयुधगाराध्यक्ष होता था। There was a separate department to keep an eye on the manufacturing and maintenance of weapons, headed by the Chief of Armaments.

Result Mitra

गुप्तचर spy

- मौर्यों को एक संगठित गुप्तचर व्यवस्था का विकास करने का श्रेय दिया जाता हैं। The Mauryas are credited with developing an organized intelligence system.

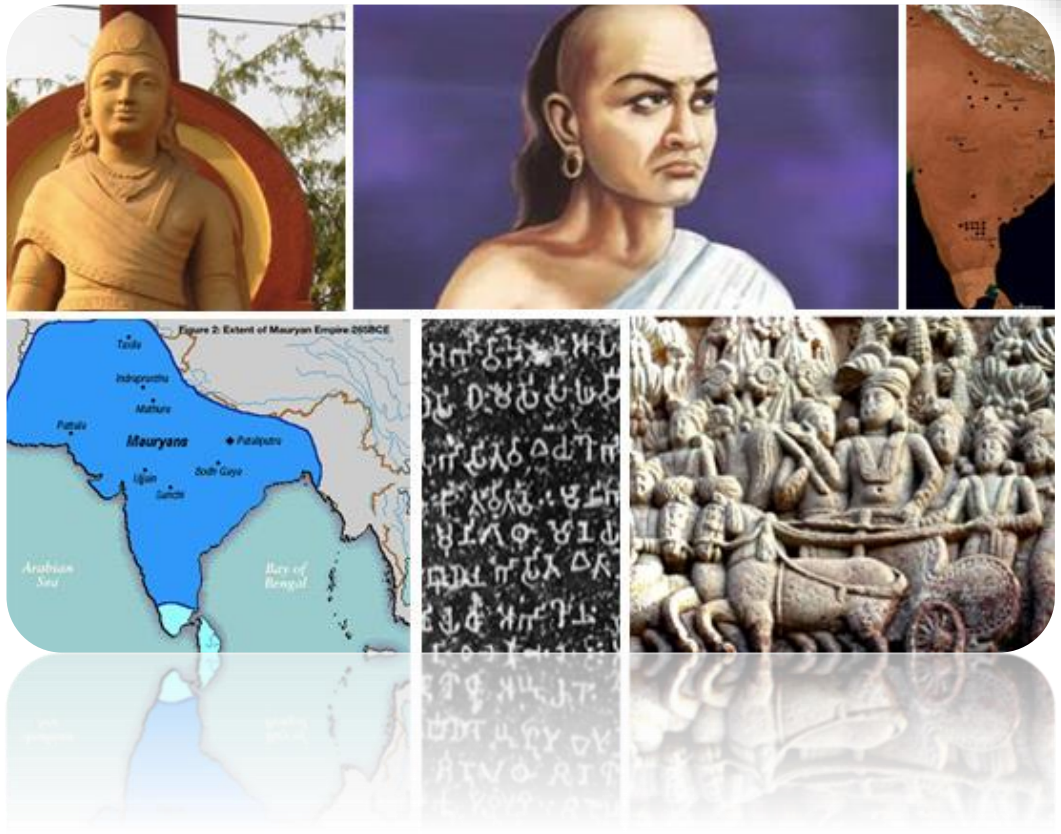

- इन गुप्तचरों का कार्य गुप्त सूचनायें जुटाना, मंत्रियों और सरकारी अधिकारियों पर नजर रखना तथा जरूरत पड़ने पर सीधे राजा को रिपोर्ट देना, लोगों की राय के बारे में जानकारी एकत्र करना, विदेशी शासकों के रहस्य जानना और राज्य में मौजूद किसी संदिग्ध तत्व को छल बल से खत्म करना आदि था। The work of these spies is to collect secret information, keep an eye on ministers and government officials and report directly to the king when necessary, collect information about people's opinion, know the secrets of foreign rulers and deceive any suspicious element present in the state. Had to end with etc.

Result Mitra

- अर्थशास्त्र में गुप्तचरों (गूढ पुरुषों) को दो श्रेणियों में बाँटा गया है, पहले वो, जो यहाँ-वहाँ भ्रमण (सचार) करते रहते थे, दूसरे वो जो एक जगह स्थाई (समस्थ) रहते थे। इन्हें और आगे अन्य श्रेणियों में बाँटा गया है। गुप्तचर आम आदमियों से सूचनायें एकत्र करने के लिए अपना रूप और पेशा बदलने में माहिर थे। In Arthashastra, spies (esoteric men) have been divided into two categories, first, those who used to travel here and there (Sachar), second, those who lived permanently in one place (Samastha). These are further divided into other categories. Spies were adept at changing their appearance and profession to collect information from common people.

कला एवं स्थापत्य art and architecture

- मौर्यकाल तक शिल्प एवं स्थापत्य परिपक्व हो चुका था। By the Mauryan period, craft and architecture had matured.
- मौर्यकालीन कला को तीन मुख्य चरणों में बाँटा जा सकता है Mauryan art can be divided into three main phases

1. मौर्यों से पहले की परम्परा जारी रहना, जिसे अब वैदिक देवताओं के चित्रण में कहीं-कही देखा जा सकता है, A continuation of the pre-Mauryan tradition, which can now be seen here and there in the depiction of Vedic deities,
2. अशोक की दरबारी कला, जिसे अशोक के राज्यादेशों से उत्कीर्ण प्रस्तर (पत्थर) स्तम्भों में देखा जा सकता है और इनमें विदेशी (ईरानी) प्रभाव स्पष्ट परिलक्षित होता है, तथा The court art of Ashoka, which can be seen in the stone pillars engraved with the edicts of Ashoka and in which foreign (Iranian) influence is clearly reflected, and

Result Mitra

3. ईटो और पत्थरो से निर्मित वास्तुशिल्प, जैसे कि साची का स्तूप, साची स्थित पत्थर के जगले और बाराबर पहाड़ियों पर लोमश ऋषि की गुफा।"Architecture made of bricks and stones, such as the Stupa at Sachi, the stone jugs at Sachi and the cave of Lomash Rishi on the Barabar hills."

Result Mitra

- **मौर्य कला के जीते जागते उत्कृष्ट नमूनों में**
  Among the finest surviving examples of Maurya art

1. **शाही महल और पाटलीपुत्र नगर के अवशेष**
   Royal palace and remains of Pataliputra city
2. **सारनाथ मे पत्थर का जांगला** stone grill in sarnath
3. **बोधगया में चार स्तम्भों पर टिका बोधि वेदी**
   Bodhi altar resting on four pillars at Bodhgaya

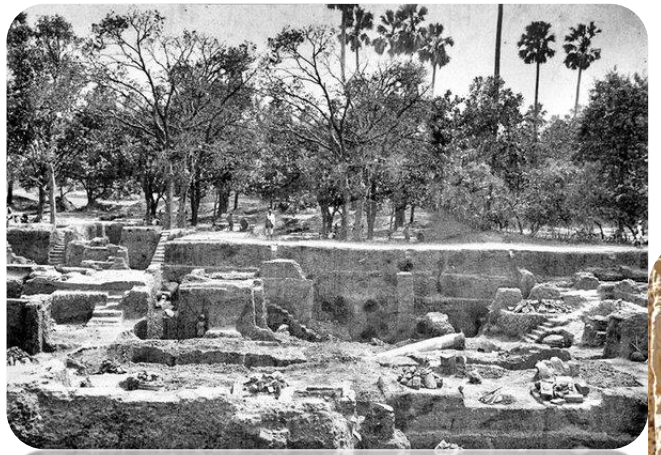

Result Mitra

4. बाराबर और गया के नागार्जुन पहाड़ियों में उत्खनित वैत्य कक्ष और आवासीय गुफा, सुदामा गुफा, जिसका निर्माण काल अशोक के शासन का बारहवाँ वर्ष माना जाता है, इसमें शामिल हैं These include the Vaitya chamber and residential cave excavated in the Nagarjuna hills of Barabar and Gaya, the Sudama cave, whose construction is dated to the twelfth year of Ashoka's reign.
5. राज्यादेश युक्त तथा बिना राज्यादेश वाले स्तम्भ Pillars with and without mandate

6. **स्तम्भ शीर्षों पर पशुओं की प्रतिमाएँ तथा फूल-पत्तियाँ उकेर कर सजाए गए स्तम्भों के शीर्ष फलक और** The top faces of the pillars are decorated with carved images of animals and flowers and leaves on the pillar tops and
7. **उड़ीसा के धौली में चट्टान को तराश कर बनाई गई हाथी की गोलाकार अर्द्ध प्रतिमा शामिल हैं।** Dhauli in Orissa includes a circular bust of an elephant carved out of rock.

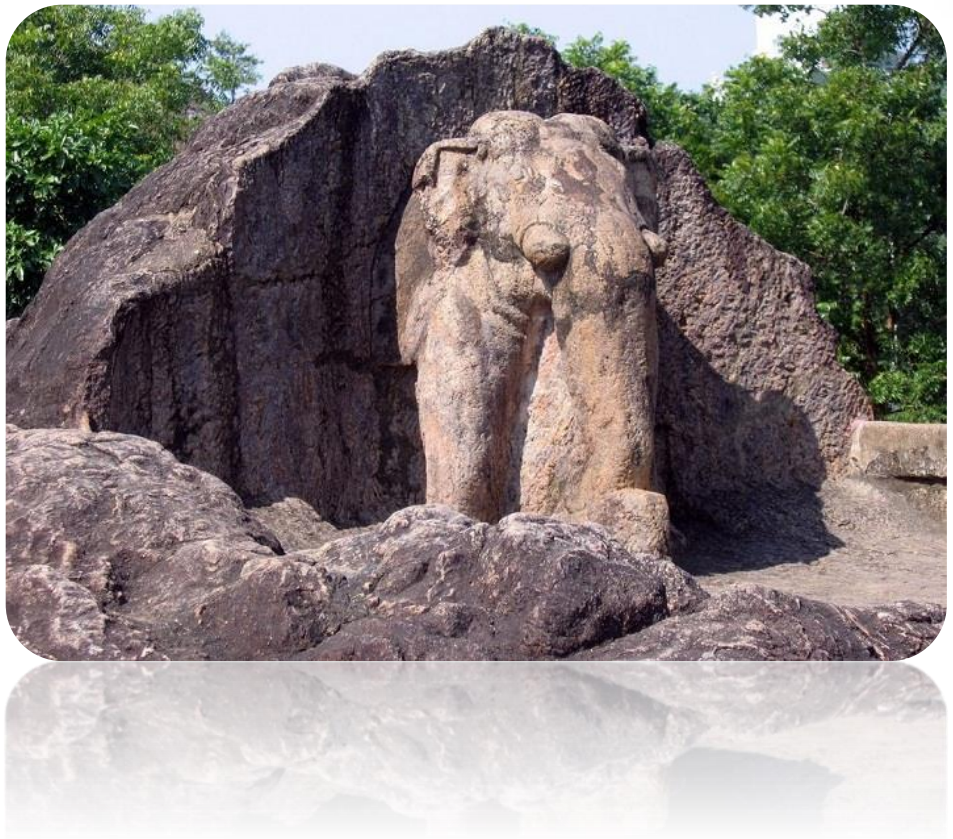

Result Mitra